पंचम परिच्छेद

5.1 दत्त सामग्री का संकलन

(क) सामग्री उपयोग में आवश्यक सतर्कता

(ख) शोध की तथ्य सामग्री का वर्गीकरण ।

(ग) वर्गीकरण की उपयोगिता ।

(घ) शोध सामग्री के व्यस्थापन में सारिणीयन का महत्व

5.2 विभिन्न क्षेत्रों के शोधकर्त्ताओं की शोध प्रवृत्ति के कारणों का संकलन 'सारिणी द्वारा प्रदर्शित''

5.3 प्रश्नावली में लिखित समस्याओं के परिणाम (सारिणी द्वारा प्रदर्शित)

पंचम परिच्छेद

दत्त सामग्री का संकलन

शोध में दत्त सामग्री का संकलन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, शोध की समस्या के समाधान हेतु आंकड़ों के संकलन में जितनी सावधानी रखी जाती है, प्राप्त निष्कर्ष उतने ही विश्वसनीय तथा वैध होते हैं । अधिकांश शोधों में आंकड़ों को संकलन या तो प्रामाणिक परीक्षणों के द्वारा या स्वंय निर्मित शोध-उपकरणों के द्वारा किया जाता है, इस प्रकार वस्तुनिष्ठ आंकड़े प्राप्त हो जाते हैं जिसके द्वारा अध्ययन में सही परिणाम तक पहुंचा जा सकता है । आंकड़ों का संकलन प्रश्नावली, साक्षात्कार, निरीक्षण, परीक्षण आदि अनेक अन्य प्रविधियों द्वारा किया जाता है । आंकड़ों के संकलन का मुख्य उद्देश्य शोध परिकल्पना को प्रमाणित तथा उचित रूप से सिद्ध करना है ।

शोध के लिये अनेक विधियों का प्रयोग किया जाता है, सभी विधियों में आंकड़ों का संकलन उस विधि की प्रकृति के अनुसार अलग-अलग ढंग से किया जाता है । शोध की तथ्य सामग्री दो प्रकार होती है ।

1. सामग्री जिसे शोधकर्त्ता स्वयं अपने प्रयोग अथवा खोज द्वारा प्राप्त करता है । इस सामग्री को पहली बार प्राप्त किया जाता है ।
2. सामग्री जिसे शोधकर्त्ता दूसरों के प्रयोग अथवा शोध से प्राप्त कर लेता है । इस प्रकार के आंकड़ों का एक बार सांख्यिकीय विश्लेषण हो चुका है व कुछ निष्कर्ष निकाले जा चुके होते हैं । जब अन्य शोधकर्त्ता इन आंकड़ों को अपने शोध के प्रयोग में लाता है तो वह उसकी मौलिक सामग्री नहीं होती ।

प्राप्त सामग्री के उपयोग में आवश्यक सतर्कता

विभिन्न स्रोतों का उपयोग करने में शोधकर्त्ता को अत्यधिक सावधानी बरतने की आवश्यकता होती है जिसके लिए उसे निम्न बातों का आवश्यक ध्यान रखना पड़ता है ।

1. आंकड़ों की प्रामाणिकता

प्राप्त आंकड़ों अथवा सामग्री का उपयोग करने से पूर्व शोधकर्त्ता के लिए आवश्यक है कि वह तथ्यों की प्रामाणिकता का निश्चय कर लें ।

2. सूचनाएं प्राप्त करने वाले व्यक्तियों का ज्ञान

शोधकर्त्ता के लिए यह आवश्यक है कि वह उन व्यक्तियों की क्षमता के बारे में अच्छी प्रकार ज्ञान रखें, जिनके द्वारा वह सूचनाएं प्राप्त कर रहा है ।

3. सामग्री की उपयोगिता का मूल्यांकन

शोधकर्त्ता के लिए आवश्यक है कि प्रयोग करने से पूर्व वह उस सामग्री की उपयोगिता का मूल्यांकन कर लें ।

4. सूचना संकलन का उद्देश्य

शोधकर्त्ता के लिए यह भी महत्वपूर्ण है कि सूचनादाता से किस उद्देश्य से और किन परिस्थितियों में इन सूचनाओं का संकलन किया है, उनके गम्भीर अध्ययन करने के पश्चात् बिना पक्षपात के निष्कर्ष तक पहुंचे ।

शोध की तथ्य सामग्री का वर्गीकरण

शोध की दृष्टि से दत्त सामग्री का संकलन होने के बाद वर्गीकरण अत्यन्त महत्वपूर्ण है क्योंकि प्राप्त सामग्री अपने प्रारम्भिक रूप में बड़ी ही अस्पष्ट, विस्तृत तथा उलझी हुई होती है व इसे प्रदर्शन के योग्य बनाने तथा विश्लेषण करके किसी निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए उस सामग्री को व्यवस्थित रूप देना आवश्यक होता है । वर्गीकरण के बिना न तो शोध सामग्री का विश्लेषण होता है और न उसके आधार पर कोई वैज्ञानिक निष्कर्ष ही प्राप्त हो सकता है । वर्गीकरण तथ्य सामग्री को व्यवस्थित करने की प्रक्रिया है, जिसकी सब से बड़ी विशेषता उसकी स्पष्टता है । वर्गीकरण में स्थिरता का होना आवश्यक है ताकि उसके आधार पर तुलनात्मक अध्ययन करना सम्भव हो ।

वर्गीकरण की उपयोगिता

वर्गीकरण, बिखरी वस्तुओं को प्रतिबंधित, नियमित और एकत्रित करने का सबल साधन है । वर्गीकरण के ही आधार से वस्तुओं के अध्ययन, अनुभव व प्रयोग में एक वैज्ञानिक दृष्टि उपलब्ध होती है जिससे वैचारिक परिपक्वता सूक्ष्मता और गंभीरता आती है, साथ ही वर्गीकरण के विषयों और वस्तुओं के सिद्धान्तों में समयानुकूल नवीनता आती है । शोध की प्रक्रिया में वर्गीकरण की उपयोगिताएं निम्नलिखित हैं ।

1. संक्षिप्तीकरण

मूल रूप में एकत्रित आंकड़े विस्तृत एवं अव्यवस्थित होते हैं । वर्गीकरण से उन में संक्षिप्तीकरण, स्पष्टता एवं व्यवस्था आती है जिससे विश्लेषण में सहायता होती है ।

2. विभिन्न लक्षणों का विभाजन

वर्गीकरण के माध्यम से समान गुणों को प्रदर्शित करने वाले आंकड़ों को एक वर्ग और असमान आंकड़े प्रदर्शित करने वाले आंकड़ों को दूसरे वर्ग में रखा जाता है जिससे अध्ययन सरल हो जाता है ।

3. स्पष्टता

आंकड़ों के वर्गीकरण से शोध कार्य का स्वरूप स्पष्ट हो जाता है जिससे संख्यिकीय प्रविधि के चयन में सहायता मिलती है ।

4. शोध की अनुवर्ती क्रियाओं के लिए सरलता

उचित वर्गीकरण आंकड़ों के विश्लेषण, निष्कर्ष आदि निकालने में सहायक होता है ।

5. तुलनात्मक अध्ययन का आधार

वर्गीकरण के द्वारा आंकड़ों के गुण, संख्या, स्थान आदि में विभाजन होने से आंकड़ों का तुलनात्मक अध्ययन करना सरल हो जाता है ।

शोध सामग्री के व्यवस्थापन में सारिणीयन का महत्व

शोध सामग्री के संकलन एवं वर्गीकरण की प्रक्रिया के पश्चात् तथ्यों का सारिणीयन किया जाता है, क्योंकि आंकड़ों को स्पष्ट एवं बोधगम्य बनाने हेतु उसका सारिणीयन अत्यावश्यक है । सारिणीयन के द्वारा आंकड़ों में सरलता एवं स्पष्टता आती है तथा सर्वेक्षणात्मक तथ्य अधिक व्यवस्थित हो कर प्रदर्शन के योग्य बन जाते हैं । इसके अन्तर्गत आंकड़ों को विभिन्न स्तम्भों एवं प्रक्रियाओं में प्रस्तुत किया जाता है, जिससे समझने में सरलता तथा सुविधा होती है । सारिणीयन की शोध की दृष्टि से बहुत उपयोगिता है, इससे प्राप्त सामग्री का रूप स्पष्ट एवं संक्षिप्त हो जाता है । विश्लेषण व निष्कर्ष निकालते समय विषय संक्षिप्त एवं सुस्पष्ट होने के साथ-साथ समय एवं श्रम की बचत होती है । सारिणीयन के बाद जब शोध से सम्बन्धित सामग्री को विभिन्न भागों में बांट लेते हैं तो उसके आधार पर तुलनात्मक अध्ययन सरलता से होता है ।

सारिणी जटिल व सरल दो प्रकार की होती है । एक अच्छी सारिणी वही होती है जो स्पष्ट, सरल, प्रभावशाली, आकर्षक होने के साथ-साथ उद्देश्य की पूर्ति करती हो ।

सारिणी निर्माण के नियम

सारिणी निर्माण का कार्य बड़ा जटिल होता है, इसलिए सारिणी बनाते हुए कुछ निश्चित नियमों का पालन करना पड़ता है जो निम्नलिखित है:-

1. सारिणी का शीर्षक जहां तक हो सके छोटा, स्पष्ट व आकर्षक होना चाहिए तथा शीर्षक द्वारा उद्देश्य का तुरन्त पता चलना चाहिए ।
2. सारिणी में स्तम्भ Columns का आकार अनावश्यक रूप से बड़ा नहीं होना चाहिए ।
3. सारिणी में सूचना को कतारों में लिखने के लिए वर्णनात्मक, भौगोलिक व संख्यात्मक विधियों का प्रयोग काफी प्रचलित है ।
4. सारिणी के बारे में यदि कोई सूचना देनी हो तो उसे टिप्पणी द्वारा भिन्न आंकड़ों में भिन्न चिन्ह लगाकर उन्हें टिप्पणीबद्ध कर देना चाहिए ।

विभिन्न शोध क्षेत्रों के शोधकर्त्ताओं की शोध प्रवृत्ति का संकलन

सामग्री संकलन का कार्य दुष्कर, श्रम साध्य तथा व्यय साध्य है । शोध के लिए दत्त संकलन केवल शोध प्रक्रिया को ही नियंत्रित नहीं करता अपितु सम्पूर्ण शोध तन्त्र को भी प्रभावित करता है । प्रस्तुत शोध-प्रबन्ध में संगीत में शोध प्रवृत्ति के बढ़ते हुए कारणों को उजागर करने की चेष्टा की गई है । विभिन्न वर्गों के शोधार्थियों की, विभिन्न क्षेत्रों से सम्बन्धित शोध प्रवृत्ति के अलग-अलग कारण हैं, जिन्हें सारिणी द्वारा प्रस्तुत किया गया है । शोध प्रवृत्ति के कारणों को, शोध कर चुके व शोध कर रहे शोधार्थियों से प्रश्नावली व साक्षात्कार द्वारा एकत्रित किया गया है । शोध-प्रवृत्ति के कारणों के उत्तरों को अंकों द्वारा अग्रिम पृष्ठों में दर्शाया गया है कि किस शोधार्थी ने इन छः कारणों में से अपनी शोध प्रवृत्ति के किस कारण को प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, पंचम व षष्ठ श्रेणी में रखते हुए अपना शोध कार्य किया । यह कारण क्रमशः अग्रांकित हैं:-

1 ज्ञान भण्डार में वृद्धि

2 डिग्री का महत्व

3 उच्चकक्षाओं में पढ़ाने के लिए अनिवार्यता

4 उच्च पद प्राप्ति के लिए

5 नवीन वेतनमान व वेतनवृद्धि

6 नौकरी पाने के लिए आवश्यक

वाद्य सम्बन्धित शोध क्षेत्र के शोध कर चुके शोधकर्त्ताओं की शोध प्रवृत्ति के कारणों का संकलन

क्र.सं	विषय	1	2	3	4	5	6
1	अवनद्ध वाद्यों के शास्त्रीय सिद्धान्त एवं उनकी वादन परम्परा	3	1	2	4	5	6
2	आधुनिक व्यवसायिक सुगम संगीत में वाद्यों की भूमिका	1	2	3	4	5	6
3	सितार वाद्य की उत्पत्ति, विकास और वादन शैली में सौंदर्य तत्व	1	4	2	3	5	6
4	Acoustic Principles behind the pleasing timbre of Sitar and its evolutionary process	1	4	2	3	5	6
5	बीसवीं शताब्दी में हिन्दुस्तानी वाद्य-संगीत के क्षेत्र के महिलाएं, समस्या एवं उपलब्धियां	1	2	3	4	5	6
6	वाद्य संगीत के क्षेत्र में तंत्री-वाद्य सितार की भूमिका सांगीतिक परिवेश से सम्बन्धित सामान्य वर्ग	1	2	3	4	5	6
7	हिमाचल तथा पंजाब के सितार-वादकों की वादन शैली में घरानों का प्रभाव सांगीतिक परिवेश से सम्बन्धित सामान्य वर्ग	1	4	2	3	5	6

वाद्य सम्बन्धित शोध क्षेत्र के शोध कर रहे शोधकर्त्ताओं की शोध प्रवृत्ति के कारणों का संकलन

क्र.सं	विषय	1	2	3	4	5	6
1	स्वतन्त्रोत्तर भारतीय संगीत के संकटग्रस्त वाद्य एवं वादक	1	2	6	3	4	5
2	Musical Instruments in the Sub-Continent-An illustrative documentation with the special reference to in employment opportunities	1	2	6	3	4	5
3	सितार वादन के बदलते प्रतिमान सांगीतिक परिवेश से सम्बन्धित सामान्य वर्ग	1	2	3	4	5	6
4	हिमाचल प्रदेश के सामान्य लोकवाद्यों का विश्लेषणात्मक अध्ययन	1	6	2	3	4	5
5	तन्त्र एवं लय-ताल	1	2	6	3	4	5

नृत्य से सम्बन्धित शोध क्षेत्र के शोध कर चुके शोधकर्त्ताओं की शोध प्रवृत्ति के कारणों का संकलन

क्र.सं	विषय	1	2	3	4	5	6
1	छत्तीसगढ़ में कत्थक नृत्य का इतिहास	2	3	1	4	6	5

नृत्य से सम्बन्धित शोध क्षेत्र के शोध कर रहे शोधकर्त्ताओं की शोध प्रवृत्ति के कारणों का संकलन

क्र.सं	विषय	1	2	3	4	5	6
1	अभिनय भेदों का अध्ययन	1	2	6	3	4	5
2	कत्थक नृत्य-विश्लेषणात्क अध्ययन	1	2	6	3	4	5
3	कत्थक नृत्य में वाद्य यंत्रों का प्रयोग- एक अनुशीलन	1	6	2	3	4	5

लोक संगीत से सम्बन्धित शोध क्षेत्र के शोध कर चुके शोधकर्त्ताओं की शोध प्रवृत्ति के कारणों का संकलन

क्र.सं	विषय	1	2	3	4	5	6
1	चम्बयाली और कुल्लूवी संगीत में तुलना	1	2	6	5	4	3
2	कांगड़ा के लोकगीतों में विकसित रागों का विश्लेषणात्मक विवेचन	1	2	3	5	4	6
3	किन्नरी लोकसंगीत का विश्लेषणात्मक सर्वेक्षण	1	2	4	5	3	6
4	कश्मीरी लोकसंगीत का अध्ययन	1	2	4	5	3	6
5	शिमला जनपद के धार्मिक व सांस्कृतिक लोकसंगीतों का सांगीतिक विश्लेषण	1	3	2	4	5	6
6	जिला हमीरपुर एवं सीमावर्ती क्षेत्रों की लोकगाथाओं का सांगीतिक विश्लेषण	1	2	3	4	5	6
7	हिमाचल प्रदेष के शिमला,सोलन मण्डी व कुल्लू जिले के लोकसंगीत में लय ताल का विवेचनात्मक अध्ययन	1	2	3	4	5	6
8	हमीरपुर क्षेत्र के लोक संगीत का विश्लेषणात्मक अध्ययन	1	2	3	4	5	6
9	हिमाचल के बिलासपुर जनपद के लोक संगीत का अध्ययन	1	2	3	4	5	6

लोक संगीत से सम्बन्धित शोध क्षेत्र के शोध कर रहे शोधकर्त्ताओं की शोध प्रवृत्ति के कारणों का संकलन

क्र.सं	विषय	1	2	3	4	5	6
1	उत्तर भारत का लोकसंगीत	1	2	6	3	4	5
2	Comprehensive Study of Folk music prevailing in social culture life of Hamirpur सांगीतिक परिवेश से सम्बन्धित सामान्य वर्ग	1	2	6	3	4	5
3	कांगड़ा जनपद के संस्कार गीतों में सांगीतिक तत्व	1	3	2	4	6	5
4	बिलासपुरी लोकसंगीत का अध्यात्मिक पक्ष-एक विश्लेषणात्मक अध्ययन	1	2	6	3	4	5

साहित्य-संगीत से सम्बन्धित शोध क्षेत्र के शोध कर चुके शोधकर्त्ताओं की शोध प्रवृत्ति के कारणों का संकलन

क्र.सं	विषय	1	2	3	4	5	6
1	कालिदास की कृतियों में संगीत विशयक शब्दों का अध्ययन	1	6	2	3	4	5
2	जायसी-कृत 'पद्मावत' काव्य में संगीतात्मकता का विश्लेषण-एक अध्ययन	1	6	2	3	4	5

साहित्य-संगीत से सम्बन्धित शोध क्षेत्र के शोध कर रहे शोधकर्त्ताओं की शोध प्रवृत्ति के कारणों का संकलन

क्र.सं	विषय	1	2	3	4	5	6
1	विद्यापति के काव्य में संगीत का महत्व	1	2	3	6	4	5

व्यक्तित्व से सम्बन्धित शोध क्षेत्र के शोध कर चुके शोधकर्त्ताओं की शोध प्रवृत्ति के कारणों का संकलन

क्र.सं	विषय	1	2	3	4	5	6
1	उत्तर-भारतीय संगीत में आचार्य बृहस्पति का योगदान -एक अध्ययन सांगीतिक परिवेश से सम्बन्धित वर्ग	1	3	2	4	5	6
2	रंगमंचीय कलाकार मास्टर मित्रसेन का भारतीय कला सर्जन के विकास में योगदान	1	2	4	5	3	6
3	शिव कुमार के गीतों में संगीत	1	2	4	5	3	6

व्यक्तित्व से सम्बन्धित शोध क्षेत्र के शोध कर रहे शोधकर्त्ताओं की शोध प्रवृत्ति के कारणों का संकलन

क्र.सं	विषय	1	2	3	4	5	6
1	संगीताचार्य प्रो. तारा सिंह का संगीत में योगदान-एक विश्लेषणात्मक अध्ययन	4	1	3	2	5	6
2	वाग्गयेकार पण्डित गनेश प्रसाद जी शर्मा का हिन्दुस्तानी संगीत के प्रति योगदान (विकलांग वर्ग)	1	3	6	2	4	5
3	संगीत मार्तण्ड पं. ओंकार नाथ ठाकुर द्वारा विवेचित शास्त्र पक्ष का पुनरावलोकन	1	2	6	3	4	5
4	पंडित बलराम पाठक व्यक्तित्व एवं कृतित्व	1	2	6	3	4	5

भक्ति-संगीत से सम्बन्धित शोध क्षेत्र के शोध कर चुके शोधकर्त्ताओं की शोध प्रवृत्ति के कारणों का संकलन

क्र.सं	विषय	1	2	3	4	5	6
1	तुलसी के गीति-काव्य में संगीतात्मकता सांगीतिक परिवेश से सम्बन्धित सामान्य वर्ग	1	3	2	4	5	6
2	गो. तुलसीदास के गीतिकाव्य (विनय-पत्रिका, गीतावली व कृष्णगीतावली) का सांगीतिक मूल्यांकन	1	2	3	4	5	6
3	बौद्ध धर्म में संगीत द्वारा प्रचार एक विवेचनात्मक अध्ययन	1	2	3	4	5	6

देश की एकता व विकास से सम्बन्धित शोध क्षेत्र के शोध कर चुके शोधकर्त्ताओं की शोध प्रवृत्ति के कारणों का संकलन

क्र.सं	विषय	1	2	3	4	5	6
1	हरियाणा प्रदेश में सांगीतिक विकास एवं अध्ययन	1	6	2	3	4	5

देश की एकता व विकास से सम्बन्धित शोध क्षेत्र के शोध कर रहे शोधकर्त्ताओं की शोध प्रवृत्ति के कारणों का संकलन

क्र.सं	विषय	1	2	3	4	5	6
1	संगीत में सहायक विभिन्न तत्वों का राष्ट्रीय एकता के संदर्भ में मूल्यांकन	1	2	6	3	4	5

क्रियात्मक-संगीत से सम्बन्धित शोध क्षेत्र के शोध कर चुके शोधकर्त्ताओं की शोध प्रवृत्ति के कारणों का संकलन

क्र.सं	विषय	1	2	3	4	5	6
1	ठुमरी-दादरा का पारम्परिक स्वरूप और आधुनिक प्रतिमान	1	2	3	4	5	6
2	उत्तर-भारत की प्रमुख गायन शैलियों का शाश्वत स्वरूप एवं युगीन परिवर्तन	1	2	3	4	5	6
3	भौरव अंग के रागों का विश्लेषणात्मक अध्ययन संगीतिक परिवेश से सम्बन्धित सामान्य वर्ग	1	2	3	4	5	6
4	काफी थाट के प्रचलित और अप्रचलित रागों का विश्लेषणात्मक अध्ययन संगीतिक परिवेश से सम्बन्धित सामान्य वर्ग	1	4	2	6	3	5
5	भारतीय शास्त्रीय संगीत का समाजशास्त्रीय अध्ययन	1	2	3	4	5	6
6	Yakshagan Sangeet a Study	1	4	5	2	3	6
7	The role of A.I.R. in Popularising Indian Classical Music	1	2	3	4	5	6

क्रियात्मक-संगीत से सम्बन्धित शोध क्षेत्र के शोध कर रहे शोधकर्त्ताओं की शोध प्रवृत्ति के कारणों का संकलन

क्र.सं	विषय	1	2	3	4	5	6
1	ख्याल गायन शैली में नवीन गायकी का प्रादुर्भाव- एक विश्लेषणात्मक अध्ययन	1	2	3	6	4	5
2	सारंग अंग के प्रचलित व अप्रचलित रागों का शास्त्रीय व क्रियात्मक अध्ययन (रागांग को दृष्टिगत रखते हुए)	1	2	6	3	4	5

सैद्धान्तिक संगीत से सम्बन्धित शोध क्षेत्र के शोध कर चुके शोधकर्त्ताओं की शोध प्रवृत्ति के कारणों का संकलन

क्र.सं	विषय	1	2	3	4	5	6
1	भारतीय संगीत में स्वरांतरालों को मापने की पद्धतियाँ, समस्याएं एवम् निराकरण	1	6	3	4	5	2

संगीत तथा अन्य ललित कलाओं सम्बन्धित शोध क्षेत्र के शोध कर रहे शोधकर्त्ताओं की शोध प्रवृत्ति के कारणों का संकलन

क्र.सं	विषय	1	2	3	4	5	6
1	ललित कलाओं में संगीत का महत्व	1	6	2	3	4	5

संगीत-शिक्षण सम्बन्धित शोध क्षेत्र के शोध कर चुके शोधकर्त्ताओं की शोध प्रवृत्ति के कारणों का संकलन

क्र.सं	विषय	1	2	3	4	5	6
1	व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास में संगीत का महत्व एवं योगदान	1	2	3	4	5	6

गुरूमत संगीत से सम्बन्धित शोध क्षेत्र के शोध कर चुके शोधकर्त्ताओं की शोध प्रवृत्ति के कारणों का संकलन

क्र.सं	विषय	1	2	3	4	5	6
1	आदि श्री गुरूग्रंथ साहिब में सांगीतिक शब्दावली का विश्लेषण अध्ययन	3	1	2	4	5	6
2	Punjab Di Sangeet Parampra vich Gurmat Sangeet Da Sthan संगीतिक परिवेश से सम्बन्धित सामान्य वर्ग	1	3	2	4	5	6
3	Folk Dance Tradition of Punjab in Gurunanak Bani	1	3	2	4	5	6

संगीत तथा योग सम्बन्धित शोध क्षेत्र के शोध कर चुके शोधकर्त्ताओं की शोध प्रवृत्ति के कारणों का संकलन

क्र.सं	विषय	1	2	3	4	5	6
1	हिन्दुस्तानी संगीत में संश्रित योग- तत्त्व	1	2	3	4	5	6
2	संगीत के प्रयोग-पक्ष में प्राणायाम का महत्त्व	1	2	3	4	5	6

शोधकर्त्ताओं की समस्याओं के परिणाम

किसी भी समस्या की सफलतापूर्वक सम्पन्नता अत्यधिक धैर्य, कठिन परिश्रम, विवेचनात्मक एवं मौलिक विचारधारा तथा वैज्ञानिक अनुशीलन पर निर्भर करती है । शोधार्थी को शोध करते समय कई समस्याओं से जूझना पड़ता है व यह समस्याऐं अलग-अलग वर्ग के शोधार्थियों को अलग-अलग विषयानुसार शोध क्षेत्र के शोधकर्त्ताओं को अलग-अलग होती है । समस्याओं को दर्शाने के लिए शोधार्थियों को दो वर्गों में विभाजित किया गया है, जिनमें एक वर्ग उन शोधकर्त्ताओं का है जिन्होंने शोधकार्य पूरा कर लिया है तथा एक वर्ग उन शोधकर्त्ताओं का है जिनका शोधकार्य अन्तिम चरण में है । इन समस्याओं को प्रश्नावली व साक्षात्कार द्वारा एकत्रित किया गया है जिसके अन्तर्गत वस्तुनिष्ठ व व्यक्तिनिष्ठ दो प्रकार के प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें वस्तुनिष्ठ प्रश्नों की संख्या 23 (तेईस) व व्यक्तिनिष्ठ प्रश्नों की संख्या ग्यारह है । शोधकर्त्ताओं की समस्याओं के उत्तरों को (हाँ √) व (नहीं ×) चिन्हों द्वारा चिहिंत किया गया है, तथा समस्याओं के परिणामों को सारिणी द्वारा अग्रिम पृष्ठों में प्रस्तुत किया जा रहा है ।

वाद्य सम्बन्धित शोध क्षेत्र के शोध कर चुके शोधकर्त्ताओं की समस्याओं का संकलन

क्रं	विषय	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	त	थ
1	अवनद्ध वाद्यों के शास्त्रीय सिद्धान्त एवं उनकी वादन परम्परा	✓	×	✓	✓	✓	×	✓	✓	×	✓	×	×	×	×	✓	✓	✓	×	×	×	✓	✓	×	×	×	×	×	विषय सम्बन्धी पूर्ण सहयोग	×	×	×	×	×	×
2	आधुनिक व्यवसायिक सुगम संगीत में वाद्यों की भूमिका	✓	×	✓	✓	✓	×	✓	×	×	×	×	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	×	×		×	×	×	×	×	×
3	सितार वाद्य की उत्पत्ति, विकास और वादन शैली में सौंदर्य तत्व	✓	✓	✓	✓	✓	×	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	×	×		×	×	×	×	×	×
4	Acoustic Principles behind the pleasing timbre of Sitar and its evolutionary process	✓	✓	✓	✓	✓	×	✓	×	×	✓	×	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	×	×	विषय सम्बन्धी पूर्ण सहयोग	×	×	×	×	×	लेखनी की समस्या

क्रं	विषय	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	त	थ
5	बीसवीं शताब्दी में हिन्दुस्तानी वाद्य–संगीत के क्षेत्र के महिलाएं, समस्या एवं उपलब्धियां	✓	✓	✓	✓	✓	×	✓	×	×	×	×	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	×	×	विषय सम्बन्धी पूर्ण सहयोग	×	×	×	×	×	×
6	वाद्य संगीत के क्षेत्र में तंत्री–वाद्य सितार की भूमिका सांगीतिक परिवेश से सम्बन्धित सामान्य वर्ग	✓	✓	✓	✓	✓	×	✓	×	×	✓	×	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	×	×	पूर्ण सहयोग	×	×	×	×	×	×
7	हिमाचल तथा पंजाब के सितार–वादकों की वादन शैली में घरानों का प्रभाव सांगीतिक परिवेश से सम्बन्धित सामान्य वर्ग	✓	✓	✓	✓	✓	×	✓	×	×	×	×	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	×	×	पूर्ण सहयोग	×	×	×	×	×	×

वाद्य सम्बन्धित शोध क्षेत्र के शोध कर रहे शोधकर्त्ताओं की समस्याओं का संकलन

क्र	विषय	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	त	थ
1	स्वतन्त्रोत्तर भारतीय संगीत के संकटग्रस्त वाद्य एवं वादक	×	✓	×	✓	✓	×	✓	✓	×	×	✓	✓	✓	×	✓	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	✓	×	पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ	×	×	×	×	×	×
2	Musical Instruments in the Sub-Continent-An illustrative documentation with the special reference to in employment opportunities	✓	✓	✓	✓	×	×	✓	×	×	✓	×	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	विषय सम्बन्धी नहीं थी ।	×	तथ्य सम्बन्धी पूर्ण सहयोग	×	×	×	×	×	×
3	सितार वादन के बदलते प्रतिमान सांगीतिक परिवेश से सम्बन्धित सामान्य वर्ग	✓	✓	✓	✓	×	✓	✓	×	✓	×	×	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	विषय साक्षात्कार सम्बन्धी	×	पूर्ण सहयोग	×	×	×	×	×	×
4	हिमाचल प्रदेश के सामान्य लोकवाद्यों का विश्लेषणात्मक अध्ययन	×	✓	✓	✓	✓	×	✓	×	×	×	×	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	✓	×	पूर्ण सहयोग	×	×	×	×	×	×
5	तन्त्र एवं लय-ताल ,	✓	✓	✓	✓	×	✓	✓	×	×	×	×	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	मांगी थी	×	विषय तथ्यों की प्राप्ति न होना	×	×	×	×	×	×

नृत्य से सम्बन्धित शोध क्षेत्र के शोध कर चुके शोधकर्त्ताओं की समस्याओं का संकलन

क्रं	विषय	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	त	थ
1	छत्तीसगढ़ में कत्थक नृत्य का इतिहास	✓	✓	✓	✓	✓	×	✓	✓	×	×	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	✓	×	×	✓	×	×	×	×	×	हर संभव सहयोग।	सत्यता सामने लाने में समस्या	×	×	×	×	×

नृत्य से सम्बन्धित शोध क्षेत्र के शोध कर रहे शोधकर्त्ताओं की समस्याओं का संकलन

क्रं	विषय	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	त	थ
1	अभिनय भेदों का अध्ययन	✓	✓	✓	✓	✓	×	✓	×	✓	✓	×	×	✓	×	×	✓	✓	×	✓	×	×	×	×	×	×	पुस्तकालय से प्राप्त	×	हर संभव सहयोग प्राप्त हुआ	×	×	×	×	×	×
2	कत्थक नृत्य–विश्लेषणात्मक अध्ययन	✓	✓	✓	✓	✓	×	✓	×	×	✓	×	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	×	×		×	×	×	×	×	×
3	कत्थक नृत्य में वाद्य यंत्रों का प्रयोग– एक अनुशीलन	×	✓	✓	✓	✓	×	✓	×	×	×	×	×	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	✓	×		×	×	×	×	×	×

लोक संगीत सम्बन्धित शोध क्षेत्र के शोध कर चुके शोधकर्त्ताओं की समस्याओं का संकलन

क्र	विषय	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	ञ	ट
1	चम्बयाली और कुल्लूवी संगीत में तुलना	✓	×	✓	✓	✓	×	✓	×	✓	✓	×	×	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	×	मार्गदर्शन मौखिक, क्रियात्मक तथा लिखित पूर्ण सहयोग	×	×	×	×	×	×
2	कांगड़ा के लोकगीतों में विकसित रागों का विश्लेषणात्मक विवेचन	✓	×	✓	✓	✓	×	✓	×	×	×	×	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	×		×	×	×	×	×	×
3	किन्नरी लोकसंगीत का विश्लेषणात्मक सर्वेक्षण	✓	×	×	×	✓	×	✓	×	×	×	✓	×	×	×	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	×	×	×		×	×	×	×	×	×
4	कश्मीरी लोकसंगीत का अध्ययन	✓	✓	✓	✓	✓	×	✓	✓	×	✓	×	×	×	×	×	×	×	×	✓	✓	×	×	×	×	×	×	×		×	×	×	×	×	×
5	शिमला जनपद के धार्मिक व सांस्कृतिक लोकसंगीतों का सांगीतिक विश्लेषण	✓	✓	✓	✓	✓	×	✓	✓	×	×	×	×	✓	×	×	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	×	×		×	×	×	×	×	×

क्रं	विषय	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	त	थ
6	जिला हमीरपुर एवं सीमावर्ती क्षेत्रों की लोकगाथाओं का सांगीतिक विश्लेषण	×	✓	✓	✓	✓	×	✓	×	×	✓	×	×	✓	×	×	✓	✓	✓	×	×	✓	✓	×	×	×	×	×	मार्गदर्शन मौखिक, क्रियात्मक तथा लिखित पूर्ण सहयोग	×	×	×	×	×	×
7	हिमाचल प्रदेश के शिमला,सोलन मण्डी व कुल्लू जिले के लोकसंगीत में लय	×	✓	×	✓	✓	×	✓	×	✓	×	×	×	✓	✓	×	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	×	×	×		×	×	×	×	×	×
8	हमीरपुर क्षेत्र के लोक संगीत का विश्लेषणात्मक अध्ययन	✓	✓	✓	✓	✓	×	✓	×	×	×	×	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	×	×		×	×	×	×	×	×
9	हिमाचल के बिलासपुर जनपद के लोक संगीत का अध्ययन	×	✓	✓	✓	✓	×	✓	×	×	×	×	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	×	×		×	×	×	×	×	×

लोक संगीत सम्बन्धित शोध क्षेत्र के शोध कर रहे शोधकर्त्ताओं की समस्याओं का संकलन

क्र	विषय	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	त	थ
1	उत्तर भारत का लोकसंगीत	✓	✓	✓	✓	✓	×	✓	×	×	×	×	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	×	विषय सम्बन्धित पूर्ण सहयोग मिला	×	×	×	×	×	×
2	Compressive Study of Folk music prevailing in social culture life of Hamirpur संगीतिक परिवेश से सम्बन्धित सामान्य वर्ग	×	✓	✓	✓	✓	×	✓	×	×	×	✓	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	×	×	×	पुस्तकालय में उपलब्ध थी	×		×	पारम्परिक लोकसंगीत का प्रदर्शन नहीं किया ।	बार बार जाना पड़ा	×	×	×
3	कांगड़ा जनपद के संस्कार गीतों में सांगीतिक तत्व	✓	✓	✓	✓	✓	×	✓	✓	×	×	×	×	✓	✓	×	✓	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	×	विषय सम्बन्धी पूर्ण सहयोग दिया ।	×	×	×	×	×	×
4	बिलासपुरी लोकसंगीत का अध्यात्मिक पक्ष–एक विश्लेषणात्मक अध्ययन	✓	×	×	✓	✓	×	✓	×	×	✓	×	×	×	×	×	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	×	×	×		×	×	×	×	×	×

साहित्य-संगीत से सम्बन्धित शोध क्षेत्र के शोध कर चुके शोधकर्त्ताओं की समस्याओं का संकलन

क्रं	विषय	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	त	थ
1	कालिदास की कृतियों में संगीत विषयक शब्दों का अध्ययन	✓	✓	×	✓	×	✓	✓	×	×	×	×	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	पुस्तकालय में उपलब्ध	×	पुस्तकें व ग्रंथ प्राप्त हुए	×	×	×	×	×	×
2	जायसी-कृत 'पद्मावत' काव्य में संगीतात्मकता का विश्लेषण-एक अध्ययन	✓	✓	✓	✓	✓	×	✓	×	×	×	×	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	×	×	हर संभव सहयोग मिला	×	×	×	×	×	×

साहित्य-संगीत से सम्बन्धित शोध क्षेत्र के शोध कर रहे शोधकर्त्ताओं की समस्याओं का संकलन

क्रं	विषय	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	त	थ
1	विद्यापति के काव्य में संगीत का महत्व	×	×	✓	✓	×	✓	✓	×	×	✓	×	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	×	×	✓	×	×	×	पुस्तकालय में उपलब्ध	×	×	×	×	×	×	×	×

व्यक्तित्व से सम्बन्धित शोध क्षेत्र के शोध कर चुके शोधकर्त्ताओं की शोध प्रवृत्ति के कारणों का संकलन

क्रं	विषय	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	त	थ
1	उत्तर-भारतीय संगीत में आचार्य बृहस्पति का योगदान -एक अध्ययन सांगीतिक परिवेश से सम्बन्धित वर्ग	✓	✓	✓	✓	✓	×	✓	×	×	×	✓	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	×	हर संभव सहयोग	×	×	×	×	×	×
2	रंगमंचीय कलाकार मास्टर मित्रसेन का भारतीय कला सर्जन के विकास में योगदान	✓	✓	✓	✓	✓	×	✓	×	×	✓	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	×	हर संभव सहयोग	×	×	×	×	×	×
3	शिव कुमार के गीतों में संगीत	✓	✓	✓	✓	✓	×	✓	×	×	×	×	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	×		×	×	×	×	×	×

व्यक्तित्व से सम्बन्धित शोध क्षेत्र के शोध कर रहे शोधकर्त्ताओं की शोध प्रवृत्ति के कारणों का संकलन

क्र	विषय	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	त	थ
1	संगीताचार्य प्रो. तारा सिंह का संगीत में योगदान-एक विश्लेषणात्मक अध्ययन	✓	✓	✓	✓	✓	×	✓	×	×	✓	×	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	कुछ खरीदी कुछ पुस्तकालय	×	समी विद्वानों से यथासंभव सहयोग	×	व्यक्ति विशेष जीवित न होने के कारण जानकारी एकत्रित करने की समस्या	×	×	×	×
2	वाग्गेयेकार पण्डित गनेश प्रसाद जी शर्मा का हिन्दुस्तानी संगीत के प्रति योगदान (विकलांग वर्ग)	✓	✓	✓	✓	✓	×	✓	×	✓	✓	×	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	×	×		वांछित तथ्य की अनुपलब्धता न होने के कारण असंतोष	×	×	×	×	नौकरी के दौरान शोधकार्य करने का समय
3	संगीत मार्तण्ड पं. ओंकार नाथ ठाकुर द्वारा विवेचित शास्त्र पक्ष का पुनरावलोकन	✓	✓	✓	✓	✓	×	✓	×	✓	×	×	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	×	×		×	×	×	×	×	×
4	पंडित बलराम पाठक व्यक्तित्व एवं कृतित्व	✓	✓	✓	✓	✓	×	✓	×	×	✓	×	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	×	×		×	×	×	×	×	×

भक्ति-संगीत से सम्बन्धित शोध क्षेत्र के शोध कर चुके शोधकर्त्ताओं की समस्याओं का संकलन

क्र	विषय	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	त	थ
1	तुलसी के गीति-काव्य में संगीतात्मकता सांगीतिक परिवेश से सम्बन्धित सामान्य वर्ग	✓	✓	✓	✓	✓	×	✓	✓	×	✓	×	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	×	×	विषय सम्बन्धित पूर्ण सहयोग	×	×	×	×	×	×
2	गो. तुलसीदास के गीतिकाव्य (विनय-पत्रिका, गीतावली व कृष्णगीतावली) का सांगीतिक मूल्यांकन	✓	✓	✓	✓	✓	×	✓	✓	×	✓	×	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	×	×	विषय सम्बन्धित पूर्ण सहयोग मिला	×	×	×	×	×	विश्व विद्यालय के कर्मचारियों से सहयोग न मिला
3	बौद्ध धर्म में संगीत द्वारा प्रचार एक विवेचनात्मक अध्ययन	✓	✓	✓	✓	✓	×	✓	✓	×	✓	×	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	×	×	पूर्ण सहयोग	×	×	×	×	×	

देश की एकता व विकास से सम्बन्धित शोध क्षेत्र के शोध कर चुके शोधकर्त्ताओं की समस्याओं का संकलन

क्र	विषय	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	त	थ
1	हरियाणा प्रदेश में सांगीतिक विकास एवं अध्ययन	×	✓	✓	✓	✓	×	✓	✓	×	✓	×	×	×	×	✓	×	×	×	✓	×	×	×	×	×	×	×	×	हर संभव सहयोग	×	×	×	×	×	×

देश की एकता व विकास से सम्बन्धित शोध क्षेत्र के शोध कर रहे शोधकर्त्ताओं की समस्याओं का संकलन

क्र	विषय	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	त	थ
1	संगीत में सहायक विभिन्न तत्वों का राष्ट्रीय एकता के संदर्भ में मूल्यांकन	✓	×	✓	✓	✓	×	✓	×	×	✓	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	×	×	अमूल्य परामर्श, पुस्तकें व मैगजीन उपलब्ध करवाई ।	×	×	×	×	×	×

क्रियात्मक-संगीत से सम्बन्धित शोध क्षेत्र के शोध कर चुके शोधकर्त्ताओं की समस्याओं का संकलन

क्रं	विषय	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	त	थ
1	ठुमरी-दादरा का पारम्परिक स्वरूप और आधुनिक प्रतिमान	✓	×	✓	✓	×	×	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	✓	×	×	×	निर्देशक बदलना पड़ा	×	पुस्तकें खरीदने की आवश्यकता नहीं थी	×	पूर्ण सहयोग	×	×	×	×	×	×
2	उत्तर-भारत की प्रमुख गायन शैलियों का शाश्वत स्वरूप एवं युगीन परिवर्तन	✓	✓	✓	✓	✓	×	✓	×	×	✓	×	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×	×
3	भैरव अंग के रागों का विश्लेषणात्मक अध्ययन सांगीतिक परिवेश से सम्बन्धित सामान्य वर्ग	✓	✓	✓	✓	✓	×	✓	×	×	×	×	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	×	×	पूर्ण सहयोग	×	×	×	×	×	×
4	काफी थाट के प्रचलित और अप्रचलित रागों का विश्लेषणात्मक अध्ययन सांगीतिक परिवेश से सम्बन्धित सामान्य वर्ग	✓	✓	✓	✓	✓	×	✓	×	×	✓	×	✓	✓	×	×	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	×	×	पूर्ण सहयोग	×	×	×	×	×	×
5	भारतीय शास्त्रीय संगीत का समाजशास्त्रीय अध्ययन	✓	✓	✓	✓	✓	×	✓	×	✓	✓	×	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	×	×	पूर्ण सहयोग	×	×	×	×	×	शोध कार्य का परिणाम देरी से आने पर मौखिक परीक्षा देरी से हुआ। डिग्री देरी से मिली
6	Yakshagan Sangeet a Study	✓	×	✓	✓	✓	×	✓	×	✓	✓	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	×	पूर्ण सहयोग	×	×	×	×	×	×
7	The role of A.I.R. in Popularising Indian Classical Music	✓	✓	✓	✓	×	×	✓	×	×	✓	×	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	✓	विषय सम्बन्धी पुस्तकें उपलब्ध नहीं थी	×	पूर्ण सहयोग	×	×	×	×	×	नौकरी करते हुए शोध कार्य में समस्या हुई

क्रियात्मक-संगीत से सम्बन्धित शोध क्षेत्र के शोध कर रहे शोधकर्त्ताओं की समस्याओं का संकलन

क्रं	विषय	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	त	थ
1	ख्याल गायन शैली में नवीन गायकी का प्रादुर्भाव- एक विश्लेषणात्मक अध्ययन	×	✓	✓	✓	✓	×	✓	✓	×	✓	×	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	✓	✓	×	×	पंजीयन करवाने में समय व पैसे खर्च	×	×	×	पूर्ण सहयोग	×	×	×	×	×	×
2	सारंग अंग के प्रचलित व अप्रचलित रागों का शास्त्रीय व क्रियात्मक अध्ययन (रागांग को दृष्टिगत रखते हुए)	✓	✓	×	✓	✓	×	✓	×	×	✓	×	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	नौकरी करते हुए, शोधकार्य में समय अभाव के कारण पुस्तकें पुस्तकालय से मिलने में समस्या हुई	×	×	पूर्ण सहयोग	×	×	×	×	×	नौकरी के कारण शोध कार्य करने के लिए पर्याप्त समय का अभाव शोध सम्बन्धित पुस्तकों का उपलब्ध न होना

सैद्धान्तिक संगीत से सम्बन्धित शोध क्षेत्र के शोध कर चुके शोधकर्त्ताओं की समस्याओं का संकलन

क्रं	विषय	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	त	थ
1	भारतीय संगीत में स्वरांतरालों को मापने की पद्धतियाँ, समस्याएं एवम् निराकरण	×	✓	✓	✓	✓	×	✓	✓	×	✓	×	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	×	×	अमूल्य सुझावों का सहयोग	×	×	×	×	×	×

संगीत तथा अन्य ललित कलाओं सम्बन्धित शोध क्षेत्र के शोध कर रहे शोधकर्त्ताओं की समस्याओं का संकलन

क्रं	विषय	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	त	थ
1	ललित कलाओं में संगीत का महत्व	✓	✓	✓	✓	✓	×	✓	×	×	×	×	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	×	×	पूर्ण सहयोग	×	×	×	×	×	×

संगीत-शिक्षण सम्बन्धित शोध क्षेत्र के शोध कर चुके शोधकर्त्ताओं की समस्याओं का संकलन

क्र	विषय	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	त	थ
1	व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास में संगीत का महत्व एवं योगदान	✓	×	✓	✓	✓	×	✓	✓	×	✓	×	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	×	×	पूर्ण सहयोग	×	×	×	×	×	×

गुरूमत संगीत से सम्बन्धित शोध क्षेत्र के शोध कर चुके शोधकर्त्ताओं की समस्याओं का संकलन

क्र	विषय	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	त	थ
1	आदि श्री गुरूग्रंथ साहिब में सांगीतिक शब्दावली का विश्लेषण अध्ययन	✓	✓	✓	✓	×	✓	✓	✓	×	✓	×	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	पुस्तकालय में उपलब्ध	×	विस्तारपूर्वक बताया	×	×	×	×	×	×
2	Punjab Di Sangeet Parampra vich Gurmat Sangeet Da Sthan संगीतिक परिवेश से सम्बन्धित सामान्य वर्ग	✓	✓	×	✓	✓	×	✓	×	×	✓	×	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	×	×	पूर्ण सहयोग मिला	×	×	×	×	×	×
3	Folk Dance Tradition of Punjab in Gurunanak Bani	✓	✓	✓	✓	✓	×	✓	×	×	✓	×	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	×	×	हर सम्भव सहयोग	×	×	×	×	×	×

संगीत तथा योग सम्बन्धित शोध क्षेत्र के शोध कर चुके शोधकर्त्ताओं की समस्याओं का संकलन

क्रं	विषय	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	त	थ
1	हिन्दुस्तानी संगीत में संश्रित योग- तत्त्व	✓	✓	✓	✓	✓	×	✓	×	×	×	×	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	×	×	पूर्ण सहयोग मिला	×	×	×	×	×	×
2	संगीत के प्रयोग-पक्ष में प्राणायाम का महत्त्व	✓	✓	✓	✓	✓	×	✓	×	×	×	×	×	×	×	×	✓	✓	✓	✓	×	×	×	×	×	×	×	×		×	×	×	×	×	×